# 1. ऊपर उठकर छा जाना

**पाठ से**

1. छात्र/छात्राएँ शुद्ध उच्चारण करें।
2. (क) सूर्य तपकर धरती को रोशनी देता है।
   (ख) पेड़ों से हमें मीठे-मीठे फल मिलते हैं।
   (ग) मोती समुद्र में पाया जाता है।

**लिखित**

**बहुविकल्पीय प्रश्न**

1. (क) (अ) बहना (✓) (ख) (ब) मछली से (✓)
   (ग) (स) पेड़ पर (✓)
2. बादल से सीखो औरों की
   जग में प्यास बुझाना
   और सूर्य से सीखो तपकर
   धरती रौशन कर जाना
3. (क) नदी अपना मार्ग बहकर के बनाती है।
   (ख) पानी से हमें ढलने की सीख मिलती है।
   (ग) मछली से हमें उल्टी धारा में बहकर लड़ना सीख सकते है।
   (घ) हम अंधकार दूर कर रोशनी करने के लिए दीपक जलाते हैं।
4. (क) खाती (ख) मिलता (ग) रही है
   (घ) बरसा (ङ) रहीं (च) जाता है

**राष्ट्रीय शिक्षा नीति ( NEP )**

- प्रश्न 1 से 6 तक छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।

**भाषा से**

1. गगन – आकाश सरिता – नदी रोशनी – उजाला
   पर्वत – पहाड़ बादल – जलधर

2. पगति – प्रगति  दरिद – दरिद्र  गदन – गर्दन
शबत – शर्बत  राष्ट – राष्ट्र  चक – चक्र
धामिक – धार्मिक  प्रश्न – प्रश्न  सप – सर्प

3. (क) पानी – रानी  नानी  सानी
(ख) आए – काए  लाए  खाए
(ग) गगन – मगन  छगन  लगन
(घ) अब – कब  जब  तब
(ङ) खड़ी – पड़ी  गड़ी  लड़ी

## 2. होशितो का घमंड

**पाठ से**

1. छात्र/छात्राएँ शुद्ध उच्चारण करें।
2. (क) होशितो ढोलक बजाना सीखना चाहता था।
(ख) राजकुमारी अपनी छोटी नाक के कारण परेशान थी।
(ग) गिद्ध अपने करीब आदमी को देखकर डर गए।

**लिखिए**

**बहुविकल्पीय प्रश्न**

1. (क) (स) दयालु (✓)  (ख) (ब) ढोलक (✓)
(ग) (द) गिद्ध ने (✓)
2. (क) विनम्रता  (ख) संस्कार  (ग) तरक्की
(घ) धन  (ड) उत्सुकता
3. (क) बूढ़े ढोलकिए ने होशितो को ढोलक बजाने की कला को सिखाया।
(ख) बूढ़े ढोलकिए ने ढोलक को अपनी संतान की तरह प्यार किया।
(ग) होशितो ने कसम खाई कि वह अपने गुरु की कही बातों का सच्चे मन से पालन करेगा।
(घ) हरी-हरी घास पर लेटे होशितो के पास ढोलक पड़ी थी।

4. (क) गाँव वाले बारी-बारी से उसके घर खाना पहुँचाने लगे थे। इस बात से पता चला कि गाँव वाले दयालु थे।

(ख) ढोलकिए ने सपने में देखा कि– ढोलक उससे कह रही है कि वह बहुत प्रसन्न है, क्योंकि उसने उसे पूरी जीवन अपनी संतान की तरह प्यार किया है।

(ग) होशितो ने ढोलकिए को यह वचन दिया कि "आप विश्वास रखे गुरुदेव, आप जो कुछ भी कहेंगे, उसका पालन पूरे जी-जान से करूँगा।"

(घ) होशितो की दौलत और शोहरत में वृद्धि तब हुई जब राजा ने खुश होकर उसे काफी धन दिया और उसे अपना दरबारी भी बना दिया।

(ङ) जापान के लोगों का यह मानना है कि होशितो मरा नहीं है, बल्कि एक लंबी नाक वाली मछली बन गई है, जो आज भी दुनिया में उसी झील में पाई जाती है।

## राष्ट्रीय शिक्षा नीति ( NEP )

1. (क) हाँ, मेरे भाई को ढोलक बजानी आती है।

(ख) मुझे बाँसुरी बजाना अच्छा लगता है।

(ग) **लोक-कथा–** किसी मानव-समूह को उसी साझी अभिव्यक्ति को कहते हैं जो कथाओं के विभिन्न रूपों में अभिव्यक्त होता है।

2. छात्र/छात्राएँ अपने अध्यापक/अध्यापिका अथवा इंटरनेट के माध्यम से जापान की जानकारी प्राप्त करें।

3. छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।

4. छात्र/छात्राएँ स्वयं उत्तर दें।

5. (1) सितार (2) हारमोनियम (3) वायलिन
(4) शहनाई (5) बैंजो (6) ढोलक
(7) पियानो (8) सरोद

6. छात्र/छात्राएँ स्वयं उत्तर दें।

## भाषा से

1. छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।

2. (क) प्र – प्रकार प्रगति प्रणाम

(ख) सौ – सौगात सौगंध सौजन्य

(ग) ला – लापरवाह लाजवाब लापता

3. (क) वृद्ध (ख) ताकत (ग) आखिरी

(घ) ग्राम (ङ) आकाश (च) जलधर

(छ) नृप

**रचनात्मक गतिविधियाँ**

- छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।

## 3. अद्भुत वनस्पति जगत

**पाठ से**

1. छात्र/छात्राएँ दिए गए शब्दों का शुद्ध उच्चारण करें।
2. (क) छुईमुई पौधा इतना नाजुक होता है कि छूते ही मुरझा जाता है, और थोड़ी देर बाद फिर यह पहले जैसा हो जाता है।

   (ख) केनरी टापुओं में जलवृक्ष पाया जाता है। कहते हैं, वहाँ के निवासी इसी पानी से नहाते-धोते हैं और पीने के लिए उपयोग करते हैं जो वृक्ष रात में मूसलाधार वर्षा करते है। अगर वहाँ ऐसे जलवृक्ष न हो तो शायद वहाँ के निवासी प्यास के मारे मर जाएँ।

   (ग) दुग्धवृक्ष से पानी के बदले दूध बरसता है इसकी टहनियाँ बिल्कुल सूखी होती है। उनमें ज़रा सा छेद कर देने पर दूध की धारा फूट निकलती है।

   (घ) दिशा बताने वाले परोपकारी दिशा-निर्देशक वृक्ष अमेरिका में पाया जाता है। यह पेड़ पथ-भूले को रास्ता बताता है।

**लिखिए**

**बहुविकल्पीय प्रश्न**

1. (क) (अ) होता है (✓) (ख) (ब) जगदीश चन्द्र बोस (✓)

   (ग) (स) छुईमुई का (✓)

2. (क) वनस्पति (ख) छुईमुई (ग) दिशा-निर्देशन
(घ) चार्ल्स डार्विन

3. (क) चार्ल्स डार्विन ने मांसाहारी पौधों का वर्णन किया है। मांसाहारी पौधों की तुलना जाले में बैठकर शिकार की प्रतीक्षा करने वाली मकड़ी से की जा सकती है। मांसाहारी पेड़-पौधे भी प्राय: ऐसा ही करते है। वे अपने शरीर से निकलने वाले मीठे और सुगंधित रसों से मक्खियों और कीड़ों को आकर्षित करते है। जब ये कीड़े उस रस को चखने के लिए आते है, तो पड़ के तरल पदार्थ से चिपककर प्राण गँवा देते है। उनके शरीर को चूस लेने पर ये पौधे कंकालों को बाहर फेंक देते है।

(ख) मेडागास्कर टापू में अनेक हिंसक पेड़ पाए जाते हैं। इसकी छाया में जो भी असावधान प्राणी आकर बैठता है, उसे इस पेड़ की शाखाएँ और कांटेदार पत्तियाँ झुककर पकड़ लेती है और उसके खून को चूसकर कुछ समय बाद उसके कंकाल को बाहर फेंक देती हैं।

(ग) 'सन-ड्यू' नामक एक पौधा ऐसा होता है कि जो भी कीड़ा उसकी चमकीली पत्तियों पर आकर बैठता है, उसे वह जकड़ लेता है और दबाकर मार डालता है।

(घ) पेड़-पौधों की इस चेतना का पता लगाने का श्रेय भारत के सुप्रसिद्ध वैज्ञानिक जगदीशचंद्र बसु को है। ये पहले व्यक्ति थे, जिन्होंने सूक्ष्म यंत्रों की सहायता से यह साबित कर दिखाया कि पेड़-पौधों में भी जीवन है।

## राष्ट्रीय शिक्षा नीति ( NEP )

- छात्र/छात्राएँ प्रश्न 1-4 का उत्तर स्वयं दें।

5.
- छूते ही मुरझा जानेवाला नाजुक पौधा – छुईमुई
- खट्टे फल वाला पौधा – इमली
- मक्खीमार पौधा – फ्लाई कैचर
- राहगीरों का सच्चा हमदर्द – दिशा-निर्देशन

## भाषा से

1. (क) शाकाहारी (ख) परोपकारी (ग) अहिंसक
(घ) छुईमुई

2. (क) दूनिया – दुनिया (ख) सूगंधित – सुगंधित

(ग) निदेशक – निर्देशक (घ) अहींसक – अहिंसक

(ङ) स्वय – स्वयं (च) मुसलाधार – मूसलाधार

3. 1. कँटीली – काँटेदार 2. जलद – बादल

कटीली – काटने वाली जलज – कमल

3. पथ – रास्ता 4. खाना – भोजन

पथ्य – लाभकर खाना – घर, मकान

4. (क) चेतना – पेड़-पौधों में चेतना का पता जगदीशचंद्र बसु ने लगाया था।

(ख) जीवन – जल ही जीवन है।

(ग) शिकार – चीता बहुत तेज शिकार करता है।

(घ) परोपकारी – पेड़ों में सभी पेड़ परोपकारी नहीं होते।

(ङ) हिंसक – मेडागास्कर में अनेक हिंसक पेड़ पाए जाते हैं।

**रचनात्मक गतिविधियाँ**

- छात्र/छात्राएँ नागफनी का चित्र बनाकर उसमें रंग भरें।

## 4. पहला सुख निरोगी काया

**पाठ से**

1. छात्र/छात्राएँ दिए गए शब्दों का शुद्ध उच्चारण करें।

2. (क) एक कहावत है, 'स्वास्थ्य ही धन है'। सचमुच स्वास्थ्य ही धन और जीवन है। स्वास्थ्य से बढ़कर कोई अन्य वस्तु नहीं है। यदि हम स्वस्थ है तो हम हर क्षण उल्लास से भरे रहते हैं। रात को हमें अच्छी नींद आती है। सुबह उठते समय हमारा मन उमंग से भरा रहता है। मन की प्रसन्नता के लिए शरीर का स्वस्थ होना जरूरी है।

(ख) स्वस्थ रहने पर हमारा मन उमंग से भरा रहता है। हम हर क्षण उल्लास से भरे रहते हैं।

(ग) गंदे वस्त्रों का प्रयोग इसलिए नहीं करना चाहिए क्योंकि गंदे वस्त्रों पर

बीमारियों के कीटाणु जमा हो जाते है। प्रतिदिन धुले और साफ वस्त्र पहनने से हम बीमारी से बचे रहते है।

**लिखित**

**बहुविकल्पीय प्रश्न**

1. (क) (अ) धन (✓) (ख) (ब) प्रतिदिन (✓)
   (ग) (द) जरूरी है (✓)
2. (क) सफ़ाई (ख) स्वस्थ (ग) बीमारियाँ
   (घ) प्रभाव (ङ) सफ़ाई
3. (क) शरीर की सफ़ाई के साथ-साथ घर की सफ़ाई भी महत्वपूर्ण है। घर में प्रतिदिन झाड़ू लगाना और खिड़कियों तथा दरवाजों को साफ़ रखना आवश्यक है। गली की सफ़ाई की ओर भी हमें ध्यान देना चाहिए।
   (ख) पौष्टिक भोजन में रोटी, दाल, चावल के अतिरिक्त हरी सब्जी, फल और दूध का होना आवश्यक है। भोजन के पदार्थों में टमाटर, मूली, गाजर, पालक, दूध, दही, दालें, क्रीम, पनीर, मक्खन, गुड़, शहद, मुरब्बा, जैम, जैली इत्यादि होने चाहिए।
   (ग) अच्छे स्वास्थ्य के लिए व्यायाम करना बहुत जरूरी है। व्यायाम करने से मांसपेशियाँ बढ़ती है और मजबूत होती है। हमें प्रात:काल व्यायाम खुली हवा में करना चाहिए। तैरना भी अच्छा व्यायाम है।

**राष्ट्रीय शिक्षा नीति ( NEP )**

1. (क) नहीं, मैं तो प्रतिदिन ही नहाता हूँ। गरमियों में सुबह-शाम तथा सरदियों में गरम पानी से प्रतिदिन स्नान करता हूँ। अगर मुझे बुखार हुआ या बीमार तो अलग बात है नहीं तो मैं प्रतिदिन नहाता हूँ।
   (ख) हाँ, मेरा कल का भोजन संतुलित था। मेरे भोजन में रोटी, दाल, चावल, हरी सब्जी, फल और दूध रहता है। गाजर, मूली तथा टमाटर का सलाद भी मैं भोजन में रखता हूँ।
   (ग) पाठ में दी गई सफ़ाई की आदतों में मैं पूरी बातों का पालन करता/करती हूँ।
2. छात्र/छात्राएँ 'स्वास्थ्य ही धन और जीवन है।' पर कक्षा में चर्चा करें।

3. छात्र/छात्राएँ 'स्वच्छ भारत अभियान' विषय पर 80–85 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखें।

4. स्वस्थ शरीर के लिए पौष्टिक भोजन इसलिए आवश्यक है क्योंकि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है।

5. खनिज लवण और विटामिन की प्राप्ति का प्रमुख स्रोत हमारी हरी सब्जी है। विटामिन की कमी से विभिन्न प्रकार की बीमारियाँ जैसे– रतौंधी, बेरी–बेरी, स्कर्वी, रिकेट्स आदि पाए जाते हैं।

6. उत्तम स्वास्थ्य के लिए योग और प्राणायाम इसलिए आवश्यक है, क्योंकि पहला सुख नीरोग रहना है। अगर हम नीरोग है, तो हम सुखी है। बहुत सारा धन हो, किंतु हमारा शरीर रोगी हो तो हम सुखी नहीं हो सकते।

**भाषा से**

1. (क) व्यायाम करना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है।
   (ख) गाय का शुद्ध दूध पियो।
   (ग) पौष्टिक भोजन से शरीर स्वस्थ रहता है।
   (घ) शाकाहारी– साग–सब्जी, फल आदि खाते हैं।

2. (क) अप्रसन्न (ख) अस्वस्थ (ग) अज्ञान
   (घ) दूषित (ङ) अशुद्ध (च) असफल

3. (क) अनुतीर्ण (ख) कवि (ग) शाकाहारी

**रचनात्मक गतिविधियाँ**

- छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।

## 5. जीवन की सीख

**पाठ से**

1. छात्र/छात्राएँ दिए गए शब्दों का शुद्ध उच्चारण करें।

2. (क) 'नदी की तरह बहते रहना' से कवि का यह आशय है कि मनुष्य को हमेशा चलायमान रहना चाहिए, क्योंकि नदी जब बहती है तभी तक वह स्वच्छ रहती है उसके बाद नहीं।
   (ख) मैं दूसरों की भलाई तन, मन तथा धन से कर सकता हूँ।

(ग) अगर हमने सभी की अच्छी बातें सीखीं तभी धरती पर प्यार सरीखी अमराई महकेगी।

**लिखित**

**बहुविकल्पीय प्रश्न**

1. (क) (द) जग को नया उजाला देना (✓)
   (ख) (अ) बड़े सवेरे उठना (✓)
   (ग) (अ) लगातार बहते रहना (✓)
   (घ) (ब) नए विश्व का गाना (✓)
2. (क) सूरज हमें सबेरे उठना नहीं सिखाता। (✗)
   (ख) हवा हमें लय से चलना सिखाती है। (✓)
   (ग) पेड़ हमें मेहनत में तपना सिखाते है। (✓)
   (घ) झरना भलाई करने को नहीं कहता। (✗)
   (ङ) धीरज धरना किसी ने नहीं सिखाया। (✗)
3. चाँद हमें सिखलाता देना,
   जग को नया उजाला
   तारे कहते, गीत सुनाओ
   झिलमिल मस्ती वाला।
   पेड़ हमें सिखलाता
   सारे दिन मेहनत में तपना
4. (क) सूरज से हमें बड़े सवेरे उठने की प्रेरणा मिलती है।
   (ख) टिम-टिम करते तारे झिलमिल मस्ती वाला गीत सुनाने के लिए कहते हैं।
   (ग) पेड़ से हमें सारे दिन मेहनत में तपने की सीख मिलती है।
   (घ) धरती धीरज से अपना मन फैलाने के लिए कहती है और आसमान कहता है कि– मुझसे अपनापन सीखो।
   (ङ) इस कविता से हमें खुशी, मेहनत, भलाई, सहनशीलता, परोपकार, अपनापन, प्यार-मुहब्बत की सीख मिलती है।

**राष्ट्रीय शिक्षा नीति ( NEP )**

1. इस कविता का एक अन्य शीर्षक– 'प्रकृति की सीख' हो सकता है।
2. छात्रा/छात्राएँ स्वयं इस प्रश्न का उत्तर दें।
3. जल और वायु की तरह सूर्य का प्रकाश भी मानव जीवन के लिए आवश्यक आवश्यकता है। सूर्य से हमें दिन में रोशनी और शरीर के लिए विटामिन 'डी' प्राप्त होता है। मानव, जीव-जंतु, पशु-पक्षी, पेड़-पौधों सभी को समुचित पोषण के लिए सूर्य का प्रकाश जरूरी होता है।
4. छात्र/छात्राएँ इसी प्रकार की 'सीख' वाली दूसरी कविताओं का संकलन कर एक कविता का सस्वर वाचन कक्षा में करें।
5. 

| | |
|---|---|
| टें-टें | तोता |
| काँव-काँव | कौआ |
| गुटर-गूँ-गुटर गूँ | कबूतर |
| चीं-चीं | गौरैया |
| भौं-भौं | कुत्ता |
| ढेचूँ-ढेचूँ | गदहा |

**भाषा से**

1. (क) सूरज रोज सवेरे उगता है।
   (ख) नदी कल-कल करती हुई बहती है।
   (ग) चाँद रात में चमकता है।
   (घ) सबकी भलाई हमेशा करनी चाहिए।
2. 

| | | |
|---|---|---|
| नदी | – | बहना |
| तारे | – | झिलमिलाना |
| पेड़ | – | फलना |
| फूल | – | मुसकाना |
| धरती | – | सहना |

3. (क) हँसना (ख) पढ़ना (ग) खिलखिलाना
   (घ) रूलाना (ङ) धुलना (च) महकना

4. (क) पाताल (ख) भलाई (ग) दिन
(घ) हँसना (ङ) उजाला (च) दुख

5. (क) आसमान – गगन आकाश
(ख) धरती – धरा भूमि
(ग) सूरज – रवि दिनकर
(घ) चाँद – चंद्रमा चंद

**रचनात्मक गतिविधियाँ**

- छात्र/छात्राएँ रचनात्मक गतिविधियाँ स्वयं करें।

## 6. झूठ हो गया सच

**पाठ से**

1. छात्र/छात्राएँ दिए गए शब्दों का शुद्ध उच्चारण करें।
2. (क) हरिहर और नीलेश वस्तुओं को खरीदने और बेचने का काम करते थे।
   (ख) दोनों मित्र बड़ा जहाज इसलिए नहीं खरीद पाए क्योंकि उन्होंने बहुत बुरा तथा भयानक सपना देखा कि उनका जहाज पानी में डूब गया है।
   (ग) नीलेश ने राजगढ़ से कम मूल्य पर अन्न खरीदा।

**लिखित**

**बहुविकल्पीय प्रश्न**

1. (क) (अ) राजगढ़ में (✓) (ख) (ब) हरिहर को (✓)
   (ग) (स) अन्न (✓)
2. (क) मार्ग में जोरदार तूफ़ान आ गया है मूसलाधार बारिश होने लगी।
   (ख) जहाज में अन्न भरा था।
   (ग) अत्यधिक मात्रा में अन्न भरा होने के कारण जहाज का भार अधिक था। जहाज का संतुलन बिगड़ गया इसलिए जहाज डूब गया।
3. (क) हरिहर और नीलेश वस्तु को खरीदकर बेचने हेतु जहाज खरीदना चाहते थे कि उसे पड़ोस के राज्यों में उन वस्तुओं को बेच सकें।

(ख) नीलेश ने हरिहर को झूठा स्वप्न देखा और बताया कि वापस आते वक्त तूफ़ान आ जाएगा और तूफ़ान आने से सामान भारी होने के कारण जहाज डूब जाएगा।

(ग) हरिहर और नीलेश की सहायता तट पर उपस्थित लोगों ने रस्सी फेंकी जिसे पकड़कर दोनों किसी तरह तट पर आने में सफल हो सकें।

(घ) नीलेश ने हरिहर को कोई वस्तु इसलिए खरीदने नहीं दी नीलेश अपनी चालाकी पर प्रसन्न था कि वह राजगढ़ से अन्न खरीदकर ले जा रहा है, जिसे बेचकर वह काफी धन अर्जित कर लेगा। इसके विपरीत उसने हरिहर को अपनी बातों से कोई भी वस्तु नहीं खरीदने दी, जिसकी वजह से हरिहर लाभ नहीं कमा सकेगा।

(ङ) हरिहर ने नीलेश का धन्यवाद इसलिए किया क्योंकि नीलेश ने हरिहर को आने वाली अनहोनी से अगाह कर दिया था।

**राष्ट्रीय शिक्षा नीति ( NEP )**

1. (क) नीलेश ने अपने मित्र के साथ अच्छा किया। उसने एक सच्चे मित्र का फर्ज निभाकर आने वाली अनहोनी से हरिहर को बचा लिया।

   (ख) नहीं, मित्र से किसी भी बात को छिपाना गलत बात है। मित्र भी तो भाई के समान ही है सच्ची मित्रता में पारदर्शिता रहती है। उसमें किसी भी प्रकार का छल-कपट तथा भेद-भाव का कोई भी स्थान नहीं होता है। मित्र का सुख-दुख अपना तथा अपना सुख-दुख मित्र का सुख-दुख होता है।

   (ग) नहीं, मैंने कभी झूठ नहीं बोला है। झूठ बोलना पाप कर्म के समान होता है।

   (घ) नहीं, मित्रता में ईर्ष्या, छल, द्वेष का कोई भी स्थान नहीं रहता है और रहना भी नहीं चाहिए।

2. छात्र/छात्राएँ उत्तर स्वयं दें।

3. छात्र/छात्राएँ उत्तर स्वयं दें।

4. छात्र/छात्राएँ उत्तर स्वयं दें।

5. छात्र/छात्राएँ उत्तर स्वयं दें।

6. छात्र/छात्राएँ दिए गए स्थान पर जहाज का चित्र बनाकर उसमें उचित रंग भरें।

**भाषा से**

1. (क) अनुचित (ख) उथली (ग) खरीदना
   (घ) कठिन (ङ) भूतकाल (च) नवीन
   (छ) हानि (ज) अंत
2. छात्र/छात्राएँ स्वयं उत्तर दें।
3. (क) दो – (संख्या) राम और श्याम दो भाई है।
   दो – (देना) उसे पुस्तक दे दो।
   (ख) हार – (पराजय) सदैव सत्य जीत और असत्य की हार होती है।
   हार – (फूलों की माला) मूर्ति में फूलों का हार सुंदर है।
   (ग) पर – (पंख) मोर के पर (पंख) सुंदर होते हैं।
   पर – (दूसरे का लगातार) अपने देश से प्यार करो पर देश से नहीं।

**रचनात्मक गतिविधियाँ**

- छात्र/छात्राएँ स्वयं उत्तर दें।

# 7. मैं दिल्ली हूँ

**पाठ से**

1. छात्र/छात्राएँ दिए गए शब्दों का शुद्ध उच्चारण करें।
2. (क) महाभारत काल में दिल्ली का आकार छोटा ही था।
   (ख) महरौली के समीप स्थित विजय-स्तंभ को देखकर लोगों को आश्चर्य इसलिए होता है क्योंकि यह सहस्रों वर्षों से ज्यों का त्यों खड़ा है। वर्षा, आँधी, धूप-छाँव और गर्मी-सर्दी का इस पर तनिक भी प्रभाव नहीं पड़ा। यह प्राचीन-स्तंभ जिस धातु का बना है वह अद्भुत है।
   (ग) अंग्रेजों ने दिल्ली को सन् 1911 में राजधानी बनाया।

**लिखित**

**बहुविकल्पीय प्रश्न**

1. (क) (अ) भारत (✓) (ख) (स) लाल कोट के (✓)
   (ग) (द) दिल्ली में (✓)
2. (क) राजधानियों में की जाती है। (ख) छोटा ही था।
   (ग) सीढ़ियाँ बनी हुई हैं। (घ) की राजधानी बनाया।
   (ङ) सजने-सँवरने लगी हूँ।
3. (क) इंद्रप्रस्थ – पांडवों की राजधानी
   (ख) हस्तिनापुर – कौरवों की राजधानी
   (ग) कुतुबमीनार – गगनचुंबी
   (घ) लालकिला – शाहजहाँ
   (ङ) दिल्ली – भारत का हृदय
   (च) अमर जवान ज्योति – इंडिया गेट
   (छ) राजघाट – महात्मा गाँधी
   (ज) शान्तिवन – जवाहरलाल नेहरू
4. (क) शहर को पांडवों ने बसाया और इसका नाम इंद्रप्रस्थ रखा।
   (ख) मुगल सम्राट शाहजहाँ ने लालकिला, जामा मस्जिद जैसी सुंदर इमारतों का निर्माण करवाया। लालकिले में दीवान-ए-खास और दीवान-ए-आम बनवाए।
   (ग) एशियाई खेलों के आयोजन से दिल्ली को बहुत लाभ हुआ। 1982 में खेले गए नवम एशियाई खेल तो वरदान सिद्ध हुए। आज यहाँ इतने बड़े स्टेडियम है कि उनमें सभी खेलों की सुविधा प्राप्त है।
5. छात्र/छात्राएँ किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

**राष्ट्रीय शिक्षा नीति ( NEP )**

1. छात्र/छात्राएँ स्वयं उत्तर दें।
2. छात्र/छात्राएँ स्वयं उत्तर दें।
3. छात्र/छात्राएँ स्वयं उत्तर दें।
4. छात्र/छात्राएँ स्वयं उत्तर दें।

5. भारत – दिल्ली
   जापान – टोकियो
   अफगानिस्तान – काबुल
   श्रीलंका – कोलंबो
   अमेरिका – वाशिंगटन
   इंग्लैंड – लंदन
   फ्रांस – पेरिस
   रूस – मास्को

6. छात्र/छात्राएँ स्वयं उत्तर दें।

7. प्रदूषित नदी यमुना को प्रदूषण मुक्त करने के लिए हमें दिल्ली शहर का सारा कूड़ा-कचरा, केमिकल आदि गंदे पानी का बहाव यमुना नदी में बंद करना चाहिए। नदी में कूड़ा-कचरा डालना, पॉलथिन डालना, शवदाह क्रिया-कर्म करना आदि कड़ाई से प्रतिबंध करना चाहिए।

**भाषा से**

1. (क) ओर – सूरज पूरब की ओर निकलता है।
   और – मुझे पचास रुपए और दे दें।
   (ख) जग – (बर्तन) जग में पानी भर दो।
   जंग – (युद्ध) भारत-पाकिस्तान की जंग भयानक थी।
   (ग) शोक – (दुख) इंदिरा गाँधी की मृत्यु से देश में शोक की लहर फैल गई।
   शौक – उसे क्रिकेट खेलने का शौक है।
   (घ) दशा – गरीबों की दशा दयनीय होती है।
   दिशा – सूर्य पश्चिम दिशा में अस्त होता है।

**रचनात्मक गतिविधियाँ**

- छात्र/छात्राएँ रचनात्मक गतिविधियाँ स्वयं करें।

# 8. तारे

**पाठ से**

1. छात्र/छात्राएँ दिए गए शब्दों का शुद्ध उच्चारण करें।
2. (क) हेमंत ने पहेली का उत्तर आकाश दिया।

   (ख) पृथ्वी से सूर्य की दूरी चौदह करोड़ छियानवे लाख किलोमीटर है।

   (ग) 'आकाशगंगा' एक प्रकार का कारखाना है। इसमें अनेक नए तारें बनते रहते हैं। इसके बीच का भाग सफेद पट्टी के रूप में चमकता दिखाई देता है।

**लिखित**

**बहुविकल्पीय प्रश्न**

1. (क) (ब) तारा (✓) (ख) (ब) ध्रुव (✓)

   (ग) (द) सात (✓)

2.

| | **किसने कहा?** | **किससे कहा?** |
|---|---|---|
| (क) | विजय ने | अध्यापिका से |
| (ख) | अध्यापिका ने | नीलम को |
| (ग) | नीलम ने | अध्यापिका से |
| (घ) | सचिन ने | अध्यापिका से |

3. (क) सूर्य से हमें प्रकाश मिलता है।

   (ख) सूर्य पृथ्वी से लगभग चौदह करोड़ छियानवे लाख किलोमीटर दूर है इसलिए छोटा दिखाई पड़ता है।

   (ग) जहाज के चालक दिशा का ज्ञान राडार और रेडियो सिग्नल के द्वारा करते है।

   (घ) तारे लाल, पीले, नीले तथा सफेद रंगों में दिखाई देते है। इन्हीं से उनके ताप और आकार का पता चलता है। लाल रंग का तारा सबसे बड़ा होता है पर इसका ताप सबसे कम होता है। नीले और सफेद रंग के तारे सबसे छोटे होते हैं, पर इनका ताप सबसे अधिक होता है।

4. (क) अध्यापिका ने पहेली पूछी– एक थाल मोतियों से भरा, सबके सिर पर औंधा धरा। चारों ओर वह थाल फिरे, मोती उससे एक न गिरे।

(ख) प्राचीन कथा के अनुसार राजा उत्तानपाद के पुत्र ध्रुव पर प्रसन्न होकर भगवान ने उसे ध्रुवतारा बना दिया था। इसके एक ओर सत्पऋषि मंडल के सात तारे हैं।

(ग) 'आकाशगंगा' एक प्रकार का कारखाना है। इसमें अनेक नए तारे बनते रहते हैं। इसके बीच का भाग सफेद पट्टी के रूप में चमकता दिखाई देता है।

(घ) तारों की आपस में इसलिए टक्कर नहीं होती क्योंकि ये एक-दूसरे से काफी दूरी पर चक्कर काटते हैं।

**राष्ट्रीय शिक्षा नीति ( NEP )**

1. छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।
2. छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।
3. आसमान में स्थित तारे विशालकाय होते हुए मोतियों की तरह इसलिए दिखलाई पड़ते हैं क्योंकि ये तारे हमसे बहुत दूर है।
4. छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।
5. छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।
6. सप्तऋषि मंडल के सात तारे हैं– वशिष्ठ, विश्वामित्र, कण्व, भारद्वाज, अत्रि, वामदेव और शौनक।
7. छात्र/छात्राएँ दिए गए स्थान पर सौर परिक्रमा का चित्र बनाकर सभी ग्रहों के नाम लिखिए।

**भाषा से**

1. छात्र/छात्राएँ दिए गए वाक्यों में सर्वनाम शब्द को रेखांकित करें।
2. छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।
3. (क) सूर्य – रवि दिनकर
   (ख) गंगा – मंदाकिनी जाह्नवी
   (ग) आकाश – गगन अंबर
   (घ) पक्षी – परिंदा विहग

**रचनात्मक गतिविधियाँ**

- छात्र/छात्राएँ रचनात्मक गतिविधियाँ स्वयं करें।

# 9. नीति के दोहे

**पाठ से**

1. (क) झूठ बोलना सबसे बड़ा पाप है।

   (ख) कबीर ने अहंकार भाव को त्यागकर दूसरो को प्रिय लगने वाली मीठी वाणी बोलने को कहा है। जो खुद को भी अच्छी लगे अर्थात शीतलता अपने और दूसरो को भी प्रदान करें।

   (ग) निंदक को सदा अपने पास रखना चाहिए क्योंकि उसके द्वारा निंदा होने के भय से हम कोई बुरा कार्य नहीं करेंगे। निंदको की निंदा भरी बातें सुनकर हमें आत्म सुधार करने का मौका मिलेगा।

**लिखित**

**बहुविकल्पीय प्रश्न**

1. (क) (ब) झूठ बोलना (✓) (ख) (अ) मधुर वाणी (✓)

   (ग) (स) प्रेम का (✓)

2. (क) ऐसी बानी बोलिए, मन का आपा खोय।
   औरन को सीतल करें, आपहुँ सीतल होय।।

   (ख) अपनी पहुँच बिचारि कै, करतब करिये दौर।
   तेते पाँव पसारिए, जेती लांबी सौर।।

   (ग) रहिमन देखि बड़ेन को, लघु न दीजिए डारि।
   जहाँ काम आवे सुई कहा करै तरवारि।।

3. (क) निंदक को सदा अपने पास रखना चाहिए क्योंकि उसके द्वारा निंदा होने के भय से हम कोई बुरा कार्य नहीं करेंगे। निंदको की निंदा भरी बातें सुनकर हमें आत्म सुधार करने का मौका मिलेगा।

   (ख) व्यक्ति को अच्छे-बुरे की पहचान तब होती है जब कोई व्यक्ति उसके सुख और दुख के समय उसका पूरा-पूरा साथ निभाकर यथायोग्य उसकी हर प्रकार से सहायता करता है।

   (ग) बड़ों को देखकर छोटों को कभी भी नहीं भुलाना चाहिए क्योंकि इस समाज में उच्च-निम्न, धनी-निर्धन सभी वर्गों का विशेष महत्व है। क्योंकि जो काम सुई का है वह काम तलवार कभी नहीं कर सकती

उसी प्रकार तलवार का काम सुई कभी भी नहीं कर सकती। हमें समरसता का व्यवहार करना चाहिए क्योंकि हमें कभी भी छोटों की आवश्यकता पड़ सकती है।

**राष्ट्रीय शिक्षा नीति ( NEP )**

1. (क) पेड़ अपना फल खुद नहीं खाते हैं और न ही नदी स्वयं अपना जल पीती है।

   (ख) यदि आप बबूल अर्थात काँटे का पेड़ लगाएँगे तो उस पेड़ पर आम का फल कैसे होगा। जैसा पेड़ आप लगाएँगे वैसा ही उसपर फल लगेगा।

2. छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।
3. छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।
4. छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।
5. छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।
6. छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।

**भाषा से**

1. (क) भविष्यत काल (ख) वर्तमान काल

   (ग) वर्तमान काल (घ) भविष्यत काल

   (ङ) भूतकाल

**रचनात्मक गतिविधियाँ**

- छात्र/छात्राएँ कक्षा में अंत्याक्षरी प्रतियोगिता आयोजित करें जिसमें केवल दोहे बोले जाएँगे।

## 10. सर्वदमन

**पाठ से**

1. छात्र/छात्राएँ दिए गए शब्दों का शुद्ध उच्चारण करें।
2. (क) राजा दुष्यंत भारत के पुरुवंश के राजा थे।

   (ख) लड़की आश्रम में पेड़-पौधों को पानी दे रही थी।

   (ग) शकुन्तला को दुर्वासा ऋषि ने शाप दिया।

**लिखित**

**बहुविकल्पीय प्रश्न**

1. (क) (स) कण्व ऋषि का (✓)

   (ख) (स) शकुन्तला को (✓)

   (ग) (द) शेरनी के बच्चे के (✓)

2.

| | **किसने कहा?** | **किससे कहा?** |
|---|---|---|
| (क) | सर्वदमन ने | शेरनी के बच्चे से |
| (ख) | तपस्विनी ने | राजा दुष्यंत से |
| (ग) | सेविका ने | सर्वदमन से |
| (घ) | सर्वदमन ने | राजा दुष्यंत से |

3. (क) राजा दुष्यंत युद्ध जीतकर लौट रहे थे।

   (ख) राजा दुष्यंत का मन मरीचि ऋषि की आश्रम की सुंदरता ने मोह लिया था।

   (ग) राजा दुष्यंत ने सोचा कि– कुछ समय इस आश्रम में विश्राम करके थकान मिटाई जाए।

4. (क) राजा दुष्यंत बड़े प्रतापी तथा रूपवान राजा थे।

   (ख) राजा दुष्यंत शाप के कारण शकुन्तला को पहचान नहीं पाए।

   (ग) राजा दुष्यंत ने बालक को देखा कि वह शेरनी के बच्चे का मुँह खोल रहा है, उसके दाँत गिनने के लिए।

   (घ) तपस्विनयों ने राजा को डोरी स्पर्श करने से इसलिए मना किया यह डोरी महर्षि ने इसकी बाँह पर बाँधी थी और यह कहा था कि "यह कभी गिर पड़े, तो इसके माता-पिता ही इसे उठाएँ।"

**राष्ट्रीय शिक्षा नीति ( NEP )**

1. जीवन में कठिनाइयों का सामना समझदारी और बुद्धिमता से करना चाहिए।
2. अपनी गलती या भूल पर क्षमा माँगना आपकी सरल और निष्छल स्वभाव का गुण है।
3. वीरता सिखाई नहीं जा सकती है। यह मनुष्य में जन्मजात गुण विद्यमान होता है।

4. (क) दशरथ (ख) दुष्यंत (ग) अज
(घ) पुरु (ङ) भरत (च) मांधाता
(छ) हरिश्चंद्र (ज) दिलीप

5. छात्र/छात्राएँ अध्यापक या नेट की सहायता से प्राचीन भारत से लेकर अब तक भारत के नाम को जानें।

6. वन्य जीव-जंतुओं का शिकार अब प्रतिबंधित है। सरकार द्वारा उठाया गया यह कदम सराहनीय है। वन्य जीव-जंतुओं का वध करना सर्वथा निदंनीय और दण्डनीय होना चाहिए।

7. छात्र/छात्राएँ स्वयं उत्तर दें।

**भाषा से**

1. (क) पुरुवंश में एक रानी थी।
(ख) राजा को एक लड़का दिखाई दिया।
(ग) तपस्वी ने उन्हें टोका।
(घ) यह बालिका ऋषि पुत्री तो नहीं लगती।
(ङ) वीर बालिका उसके पास पहुँची।

2. (क) सर्वदमन (ख) तपस्वी (ग) मनमोहक
(घ) निःसंतान (ङ) जिज्ञासु

3. (क) पुरुवंश में एक राजा हुआ-दुष्यंत
(ख) वह बहुत पछताया।
(ग) यह बालक किस वंश का है?
(घ) दुष्यंत ने पूछा, "अगर कोई और उठा ले तो?"

**रचनात्मक गतिविधियाँ**

- छात्र/छात्राएँ स्वयं पौराणिक ग्रंथ की कथा का सार अपने शब्दों में लिखें।

# 11. वैज्ञानिक लुई ब्रेल

**पाठ से**

1. छात्र/छात्राएँ दिए गए शब्दों का शुद्ध उच्चारण करें।
2. (क) लुई ब्रेल 'ब्रेल लिपि' का आविष्कार था।

   (ख) लुई ब्रेल को कुप्रे में स्थित एक चर्च के पादरी जैक्विस ने अपना लिया।

   (ग) लुई को पेरिस के अंधविद्यालय में प्रवेश मिला।

**लिखित**

**बहुविकल्पीय प्रश्न**

1. (क) (ब) 4 जनवरी, 1809 को (✓)

   (ख) (ब) पेरिस का गाँव कुप्रे में (✓)

   (ग) (द) ब्रेल लिपि का (✓)
2. (क) संसार का प्रत्येक नेत्रहीन व्यक्ति– ब्रेल लिपि का आविष्कार करने वाले 'लुई ब्रेल' को अपना मसीहा मानता है।

   (ख) चीख सुनकर सिमोन ब्रेल और उनकी पत्नी वहाँ पहुँचे, पर तब तक लुई की आँख में गहरा घाव हो चुका था।

   (ग) अब तो लुई के मन में नई लिपि बनाने की धुन सवार हो गई।

   (घ) नेत्रहीनों के लिए लिपि के आविष्कार को लुई ब्रेल ने अपने जीवन का मिशन ही बना लिया था।
3. (क) लुई ब्रेल नेत्रहीनों के मसीहा के रूप में लोकप्रिय हुए।

   (ख) लुई ब्रेल को अपनी मंज़िल तब दिखाई देने लगी जब 1821 में बारबियर ने अपनी लिपि का प्रदर्शन अंधविद्यालय में किया।

   (ग) लुई के पिता हमेशा लुई से कहते थे कि "बेटा लुई, तुम जन्म से अंधे नहीं हो। इसलिए कभी निराश मत होना। अब तुम उनके लिए कुछ करना जो जन्म से अंधे हैं।"

   (घ) आज भी सारी दुनिया लुई ब्रेल का आदर इसलिए करती है क्योंकि दृष्टिहीन होते हुए भी लुई ब्रेल ने, दृष्टिहीनों के लिए एक महान कार्य कर गए थे।

**राष्ट्रीय शिक्षा नीति ( NEP )**

1. (क) ग्रामोफोन, इलेक्ट्रिक बल्ब
   (ख) टेलीफ़ोन (ग) रेडियो तथा वायरलेस् टेलीग्राफी
2. छात्र/छात्राएँ स्वयं उत्तर दें।
3. हाँ, नेत्रहीन व्यक्तियों का लुई ब्रेल को अपना मसीहा मानना सर्वथा उचित है, क्योंकि लुई ब्रेल स्वयं नेत्रहीन होते हुए नेत्रहीनों के लिए एक महान कार्य कर गए।
4. छात्र/छात्राएँ स्वयं उत्तर दें।
5. छात्र/छात्राएँ कक्षा में स्वयं इस विषय पर चर्चा करें।
6. छात्र/छात्राएँ इंटरनेट के माध्यम से इस प्रकार की जानकारी प्राप्त करें।

**भाषा से**

1.

| | संज्ञा | क्रिया | | संज्ञा | क्रिया |
|---|---|---|---|---|---|
| (क) | लुई | आविष्कार किया | (ख) | लुई | गरीब |
| (ग) | वे | वर्कशाप चलाते थे | (घ) | लुई | छेद करने लगा |
| (ङ) | वे | लौट आए | | | |

2. (क) दोनों एक-दूसरे के पर्याय हैं।
   (ख) आँख में गहरा घाव हो गया।
   (ग) वह गाँव से दूर चला गया।
   (घ) लुई एक गरीब परिवार का लड़का था।
3. (क) वृद्ध व्यक्ति (ख) महान लुई (ग) गहरा घाव
   (घ) चंचल महिला (ङ) नई लिपि (च) मोटे कागज़

**रचनात्मक मूल्यांकन**

1.

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| (क) उर्दू | – | अरबी | (ख) पंजाबी | – | गुरुमुखी |
| (ग) हिंदी | – | देवनागरी | (घ) अंग्रेज़ी | – | रोमन |
| (ङ) संस्कृत | – | देवनागरी | (च) बंगला | – | बाँग्ला |

2. छात्र/छात्राएँ लुई ब्रेल के विषय में आठ पक्तियाँ स्वयं लिखें।

# 12. बसंत

**पाठ से**

1. छात्र/छात्राएँ दिए गए शब्दों का शुद्ध उच्चारण करें।

**लिखित**

**बहुविकल्पीय प्रश्न**

1. (क) (अ) बसंत के (✓)

   (ख) (स) वन-वन (✓)

   (ग) (ब) सुखी (✓)

2. पल में पतझड़ का हुआ अंत
   आया बसंत आया बसंत।
   लेकर सुगंध बह रहा पवन
   हरियाली छाई है वन-वन
   सुंदर लगता है घर-आँगन

3. (क) शोभा – अनंत (ख) बौरे – आमों

   (ग) पतझड़ का – अंत (घ) सुगंध – पवन

   (ङ) कोकिला – कुहू

4. (क) बसंत के आने पर संसार में सुंदरता छा जाती है।

   (ख) बसंत के आने पर 'दिग-दिगंत' में सुंदरता छा जाती है, सरसों के खेतों में पीले-पीले फूल खिल जाते हैं, आमों में बौरे लग जाती है। बेलों में नए फूल फूलने लगते हैं, चारों ओर सुगंधित हवा बहती है।

   (ग) बसंत के आने पर भौरे गुंजार करने लगते है तथा कोयल कुहू-कुहू की तान छेड़ने लगती है।

   (घ) 'घर-घर में छाए नित बसंत' के माध्यम से कवि यह कहना चाहता है कि बसंत ऋतु के आगमन पर चारों ओर सुंदरता छा जाती है जहाँ देखो हरियाली-ही-हरियाली दिखलाई पड़ती है सुगंधित पवन बहती है, आमों में बौरे लग जाते हैं, कोयल कूकने लगती है तथा भौरे गुंजार करने लगते हैं।

**राष्ट्रीय शिक्षा नीति ( NEP )**

1. छात्र/छात्राएँ उत्तर स्वयं दें।
2. छात्र/छात्राएँ उत्तर स्वयं दें।
3. छात्र/छात्राएँ उत्तर स्वयं दें।
4. छात्र/छात्राएँ उत्तर स्वयं दें।
5. बसंत तबला लालटेन नहर
   रथ थरमस सरकस सड़क
   कमल

**भाषा से**

1. (क) शोभा – सौंदर्य कांति
   (ख) सुगंध – सुवास सौरभ
   (ग) पवन – समीर वायु
   (घ) भौंरा – भ्रमर भृंग
   (ङ) बसंत – ऋतुपति मधुमास
2. (क) अनंत – अंत (ख) काला – सफेद
   (ग) हरियाली – पतझड़ (घ) सुखी – दुखी
   (ङ) नया – पुराना
3. अनंत दिकंत बसंतोत्सव
   महोत्सव सूर्योदय ममैव
   यद्यपि परमानंद

## 13. मदर टेरेसा

**पाठ से**

1. छात्र/छात्राएँ दिए गए शब्दों का शुद्ध उच्चारण करें।
2. (क) मदर टेरेसा के बचपन का नाम– एग्नेस गोन्वसहा बोजाक्सिऊ था।
   (ख) मदर टेरेसा के पहले आश्रम का नाम– निर्मल हृदय था।
   (ग) लोग मदर टेरेसा को– 'गंदी बस्तियों की मालकिन', 'दया की देवी', 'गरीबों की वाणी' आदि कहकर पुकारते थे।

**लिखित**

**बहुविकल्पीय प्रश्न**

1. (क) (अ) 10 सिंतबर, 1946 की (✓)

   (ख) (द) ईसा मसीह ने (✓)

   (ग) (स) की सेवा करती थीं (✓)

2. (क) सेंट मेरी हाईस्कूल, कलकत्ता (अब कोलकाता)

   (ख) निर्मल हृदय (ग) 27 अगस्त, 1910, यूगोस्लाविया

   (घ) नोबेल पुरस्कार, भारत रत्न

3. (क) मदर टेरेसा ने विद्यालय से अपना इस्तीफा इसलिए दें दिया क्योंकि वे एक स्त्री जो गंभीर हालत तथा दयनीय स्थिति में थी उसे अस्पताल के अधिकारियों ने भर्ती करने से इनकार कर दिया इसी सब बातों के कारण ही उन्होंने इस्तीफा दे दिया।

   (ख) मदर टेरेसा ने अपने आश्रम का नाम– 'निर्मल हृदय' इसलिए रखा क्योंकि वहाँ पर धर्म, देश, जाति, रंग-रूप आदि का बंधन न हो।

   (ग) मदर टेरेसा सन् 1929 में (कोलकाता) भारत आई। उन्होंने दीन-दुखियों की सेवा करने लगी। उनकी संस्था अनेक विद्यालय, अस्पताल, कुष्ठ निवारण केंद्र अथवा आश्रम और वृद्धों तथा जीवन से हताश व्यक्तियों के लिए घर चला रही हैं।

**राष्ट्रीय शिक्षा नीति ( NEP )**

1. छात्र/छात्राएँ स्वयं उत्तर दें।
2. मदर टेरेसा ने अपने आश्रम का नाम– 'निर्मल हृदय' इसलिए रखा क्योंकि वहाँ पर धर्म, देश, जाति, रंग-रूप आदि का बंधन न हो।
3. छात्र/छात्राएँ इंटरनेट से जानकारी प्राप्त करें।
4. छात्र/छात्राएँ इंटरनेट से जानकारी प्राप्त करें।
5. छात्र/छात्राएँ इंटरनेट से जानकारी प्राप्त करें।
6. छात्र/छात्राएँ इंटरनेट से जानकारी प्राप्त करें।

**भाषा से**

1. (क) आनन्द – खुशी उल्लास

(ख) मनुष्य – नर मानव

(ग) इच्छा – अभिलाषा लालसा

(घ) अनुपम – अनूठा अतुलनीय

(ङ) अँधेरा – अंधकार तमस

2. (क) वैद्य = चिकित्सक वैध = विधि मान्य

(ख) दशा = हालत दिशा = ओर

(ग) सुधा = अमृत क्षुधा = भूख

(घ) मातृ = माता मात्र = केवल

3. (क) झूलों (ख) अलमारियाँ (ग) कपड़ों

(घ) थैलियाँ (ङ) धागों (च) बोलियाँ

(छ) रास्तों (ज) चाभियाँ (झ) गमलों

(ञ) थालियाँ

**रचनात्मक गतिविधियाँ**

- छात्र/छात्राएँ– मदर टेरेसा को 'निर्मल हृदय आश्रितों का मन' कहा जाता है। इस उक्ति पर अपने विचार स्वयं व्यक्त करें।

## 14. पक्षियों की दुनिया

**पाठ से**

1. छात्र/छात्राएँ दिए गए शब्दों का शुद्ध उच्चारण करें।

2. (क) पक्षी-विहार में वनरक्षक पक्षियों की देखरेख करने के लिए नियुक्त किए जाते हैं।

(ख) वनरक्षक ने सबको चुप रहने का संकेत इसलिए किया क्योंकि सामने पेड़ की छाया में लगभग बीस फुट लंबा अजगर विश्राम कर रहा था।

(ग) गोताखोर चिड़ियाँ का रंग-रूप और फुर्ती तो देखते ही बनती है। काला रंग, गुलाबी चोच, गुलाबी रंग तथा सिंदूरी चोंच वाली ये चिड़िया पेड़ की डाल से फुर्ती से पानी में जाती और पलक झपकते ही उड़कर किसी पेड़ पर जा बैठती।

**लिखित**

**बहुविकल्पीय प्रश्न**

1. (क) (द) भरतपुर (✓) (ख) (अ) टिकट (✓)
   (ग) (स) सुरीली (✓)
2. (क) मुर्गीबी (ख) आवाज़ें (ग) बतखें (घ) चिड़िया
3. (क) लोग सर्दियों में घाना पक्षी-विहार इसलिए जाते हैं, क्योंकि इस मौसम में विदेशों से आए रंग-बिरंगे अप्रवासी पक्षी देखने को मिलते हैं।
   (ख) कुछ जल पक्षी है– बतख, हँस, मुर्गाबियाँ, गोताखोर चिड़ियाँ तथा भूरी तथा सफेद बतखें।
   (ग) आज हुए अद्भुत अनुभव हमारी यादों में सदा जीवंत रहेंगे। यह वाक्य भरतपुर के 'केवलादेव घाना' पक्षी-विहार के मनमोहक पक्षियों के संसार का अद्भुत संयोग देखे जिनमें– नीलकंठ, गौरेया, मुर्गाबियाँ, गोताखोर चिड़िया, काला रंग, गुलाबी चोच, गुलाबी रंग तथा सिंदूरी चोंच वाली चिड़िया के साथ-ही-साथ भूरी तथा सफेद बतखों को कैसे भूला जा सकता है।

**राष्ट्रीय शिक्षा नीति ( NEP )**

1. छात्र/छात्राएँ स्वयं उत्तर दें।
2. साइबेरिया में बहुत गर्मी पड़ती है इसलिए सर्दियों के मौसम में पक्षी वहाँ से पलायन कर भारत आते हैं।
3. केवलादेव घाना पक्षी-विहार भरतपुर राज्य में स्थित है।
   **नोट–** छात्र/छात्राएँ मानचित्र पर स्वयं चिह्नित करें।
4. छात्र/छात्राएँ इंटरनेट से खोजकर लिखें।
5. तोता कबूतर हंस फ्लाईबर्ड गिद्ध
6. छात्र/छात्राएँ अपने मनपसंद पक्षी का चित्र बनाकर रंग भरे तथा अपनी पसंद का कारण भी लिखें।

**भाषा से**

1. (क) सुरीली (ख) रंगीन (ग) प्रवासी
   (घ) बैंगनी (ङ) सरकारी (च) सिंदूरी

2. (क) निम्न (ख) गाँव (ग) नया
(घ) गुलाम (ङ) अमीर (च) नकद

3. (क) पक्षी–विहार (ख) दृश्य (ग) अप्रवासी
(घ) रिक्शा (ङ) वनरक्षक (च) दीमक

**रचनात्मक गतिविधियाँ**

- छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।

## 15. संगत का असर

**पाठ से**

1. छात्र/छात्राएँ दिए गए शब्दों का शुद्ध उच्चारण करें।
2. (क) गरीब ब्राह्मण का नाम– वेदपाल था।
(ख) ब्राह्मण के मित्र का नाम– शंखदत्त था।
(ग) पहले सिंह का मंत्री हंस था।
(घ) ब्राह्मण के परिवार में– बूढ़े पिता, पत्नी और चार छोटे बच्चे थे।

**लिखित**

**बहुविकल्पीय प्रश्न**

1. (क) (ब) ब्राह्मण (✓) (ख) (अ) चना–चबैना (✓)
(ग) (स) शंखदत्त (✓)

2.

| | **किसने कहा?** | **किससे कहा?** |
|---|---|---|
| (क) | ब्राह्मण की पत्नी ने | ब्राह्मण से |
| (ख) | ब्राह्मण ने | पत्नी से |
| (ग) | सिंह ने | ब्राह्मण और उसके मित्र से |

3. (क) वेदपाल बहुत ही गरीब ब्राह्मण था। (✗)
(ख) झाड़ियों से निकलकर साँप सामने आ गया। (✗)
(ग) सिंह ने हंस की बात मान ली। (✓)
(घ) मनुष्य का मांस कड़वा होता है। (✗)

(ङ) वेदपाल और शंखदत्त चुपचाप सरकते हुए पेड़ के नीचे पहुँच गए। (✓)

4. (क) वेदपाल के सामने सूखा पड़ने के कारण भोजन की समस्या थी।

(ख) सिंह ने वेदपाल तथा उसके मित्र को इसलिए छोड़ दिया क्योंकि उसके मंत्री हंस ने सिंह को समझाया कि ये लोग ब्राह्मण हैं तथा धर्म और ज्ञान का प्रचार-प्रसार करते है। लोग इनसे ज्ञान प्राप्त करते हैं। इसलिए इन्हें नहीं मारा जाना चाहिए।

(ग) वेदपाल और शंखदत्त दुबारा सिंह के पास कई वर्षों के बाद सूखा पड़ने से उत्पन्न दयनीय स्थिति के कारण गए।

(घ) वेदपाल और शंखदत्त ने पेड़ पर चढ़कर अपनी जान बचाई।

## राष्ट्रीय शिक्षा नीति ( NEP )

1. "किसी व्यक्ति की पहचान उसकी संगति से होती है।" मैं इस कथन से पूर्णतया सहमत हूँ।
2. अगर व्यक्ति की संगति अच्छी है उसमें से दुर्गुण होना इसके विपरीत अगर दुष्ट लोगों की संगति उसकी होती है तो उसमें दुराचरण होगा।
3. सूखा उस स्थिति को कहते हैं जब वर्षा आवश्यकता से कम होती है। इस स्थिति में भूमिगत जल का स्तर भी कम हो जाता है और जीवन पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। कम वर्षा या मानसून के अपने निश्चित समय से देरी से आने के कारण सूखे की स्थिति उत्पन्न हो जाती है।
4. गाँव से शहर की ओर पलायन बेरोजगारी के कारण आज भी हो रहा है। इसे रोकने के लिए गाँव के निकट कारखाने या ऐसी योजनाओं को स्थापित किया जाना चाहिए जो लगभग गाँव और शहर के बीच में हो।
5. छात्र/छात्राएँ स्वयं उत्तर दें।
6.

| **शाकाहारी पशु** | **मांसाहारी पशु** |
|---|---|
| भैंस | बाघ |
| बकरी | भेड़िया |
| घोड़ा | कुत्ता |
| हाथी | चीता |
| खरगोश | लकड़बग्घा |
| ऊँट | वनबिलाव |

7. छात्र/छात्राएँ 'ब्रेन ड्रेन' के विषय में अध्यापक या इंटरनेट से जानकारी प्राप्त कर लिखें।

**भाषा से**

1. (क) हालत – दशा स्थिति
   (ख) सूरज – रवि सूर्य
   (ग) सिंह – शेर केसरी
   (घ) वृक्ष – तरु पेड़
   (ङ) मनुष्य – मनुज मानव
2. (क) स्वादिष्ट मांस (ख) धूर्त गीदड़ (ग) मूर्ख सिंह
   (घ) चतुर ब्राह्मण (ङ) भयानक गर्जना (च) अँधेरी रात
3. (क) काला – गोरा (ख) अँधेरा – उजाला
   (ग) तेज़ – मद्धिम (घ) गरीब – अमीर
   (ङ) मित्र – शत्रु (च) मूर्ख – विद्वान

**रचनात्मक गतिविधियाँ**

- छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।

## 16. पिकनिक का शिष्टाचार

**पाठ से**

1. छात्र/छात्राएँ दिए गए शब्दों का शुद्ध उच्चारण करें।
2. (क) पप्पू और गप्पू पढ़ने में बहुत होशियार थे।
   (ख) पप्पू और गप्पू स्कूल के साथियों के साथ पिकनिक पर गए।
   (ग) बच्चो की देख-भाल का भार आया को दिया गया।

**लिखित**

**बहुविकल्पीय प्रश्न**

1. (क) (ब) स्कूल की बदनामी हो (✓)
   (ख) (अ) गंदा (✓)

(ग) (द) चबूतरा साफ़ करने लगे (✓)

2. (क) सभी बच्चों को चबूतरा साफ़ करने की सख्त हिदायतें दी गईं।

(ख) चबूतरे को साफ़ करने में सभी साथियों की मदद लेनी पड़ी।

(ग) शाम होते ही चलने की तैयारी हुई।

(घ) अपनी-अपनी रुचि के अनुसार सभी ने पिकनिक का मज़ा लूटा।

(ङ) वहाँ केवल एक ही चबूतरा था।

3. (क) सभी जाकर अपनी-अपनी सीटों पर बैठे गए।

(ख) पप्पू और गप्पू बाहर ही रह गए थे।

(ग) पप्पू और गप्पू ने देखा कि चबूतरा गंदा ही छोड़कर सब लड़के बस में बैठ गए हैं।

4. (क) फुटबॉल के मैच में हमेश पप्पू और गप्पू की ही टीम जीतती थी।

(ख) सभी बच्चों को गंदा चबूतरा साफ़ करने की हिदायत दी गई।

(ग) सभी का काफी समय गंदे चबूतरे को साफ़ करने में बर्बाद हो गया।

(घ) बच्चों को नाश्ते में वेफर्स, बिस्किट, बर्फी के दो पीस, एक केला, एक सेब और कुछ काजू दिए गए।

(ङ) पप्पू और गप्पू ने सभी को संबोधित करते हुए समझाया कि सभी नीचे आओ। अगर हम भी चबूतरे को गंदा छोड़ जाएँगे, तो फिर कोई दूसरी टोली जब यहाँ पिकनिक पर आएगी तो हमें कितना कोसेगी? इसलिए हमें ऐसा काम नहीं करना चाहिए जिससे कोई हमें बुरा कहे।

**राष्ट्रीय शिक्षा नीति ( NEP )**

1. हाँ मैं भी अपने विद्यालय में बच्चों के साथ पिकनिक पर गया हूँ।
2. छात्र/छात्राएँ स्वयं उत्तर दें।
3. पिकनिक पर जाकर मैं वहाँ के मनोरम दृश्यों को अपने कैमरे में कैद करूँगा। मधुर संगीत सुनूँगा। अपने साथियों के साथ विभिन्न खेलों का आनंद लूँगा।
4. छात्र/छात्राएँ 'शिष्टाचार' विषय पर 80-85 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखें।
5. छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।
6. छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।
7. छात्र/छात्राएँ स्वयं करें।

**भाषा से**

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| **1.** | ऑडियो | फुटबॉल | शॉल | हॉल |
| **2.** | एकवचन– बच्चा | पहाड़ी | कैमरा | बस |
| | बहुवचन– चबूतरे | झरने | लड़के | छिलके |
| **3.** | रात | राम | राजा | |
| | गर्मी | सर्दी | पार्टी | |
| | ग्राम | ग्रहण | चंद्र | |
| | ट्रक | ड्राइवर | ट्राम | |

**रचनात्मक गतिविधियाँ**

- छात्र/छात्राएँ किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए।